राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2525
ब्रेक आउट
सर्वनायक वर्ष 2012-13
सुपर कमाण्डो ध्रुव
HEMANT
ESHWAR ART

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

सिटी विदाउट ए हीरो सीरीज!

राज कॉमिक्स है मेरा जनून

ब्रेकआउट

लेखक मंदार गंगेले

चित्रांकन हेमंत कुमार

स्याहीकार विनोद कुमार, ईश्वर आर्ट्स

रंगसज्जा शादाब, अभिषेक

शब्दांकन मंदार गंगेले

संपादन मनीष गुप्ता

संस्थापक: राज कुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

पिछले भाग 'कोडनेम कॉमेट' में आपने पढ़ा-

अपनी याददाश्त खो चुका निजी सुरक्षा एजेंसी फीनिक्स का जांबाज कमांडो 'कॉमेट' एम्स्टरडैम में अपनी पहचान और अपने अस्तित्व की खोज में जूझ रहा है अपने आप से।

दूसरी ओर राजनगर की वर्तमान परिस्थितियों से अनभिज्ञ इंग्लैंड से स्वदेश लौटी श्वेता को ध्रुव की मौत की खबर ने अंदर तक झकझोर कर रख दिया!

ध्रुव की मौत के बाद राजनगर में कार्यरत है एक नई सुरक्षा एजेंसी 'कमांडर फोर्स' जिसकी बागडोर है कमांडर नताशा के हाथों में!
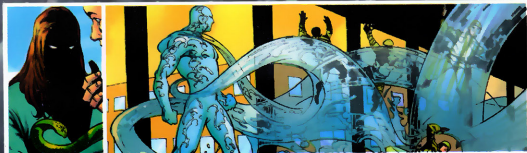
ध्रुव की अनुपस्थिती का लाभ उठा कर एक अनजान शख्स 'मास्टर एम' ने रची है राजनगर के खिलाफ एक घिनौनी साजिश जिसके तहत एक जल मानव राजनगर की सबसे सुरक्षित जेल पर हमला करता है।

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर के आकाश में चमकता अटल सितारा जिसकी चमक के आगे अपराधियों की आंखे और हौंसले दोनों चौंधियाते रहते हैं। लेकिन अपराधियों पर ग्रहण की तरह लग जाने वाले इस अपराध विनाशक की आंखों में ज्वाला जलती रहती है। प्रतिशोध की ज्वाला। और ये ज्वाला भड़की सर्कस की उस आग से जिसने ध्रुव से उसका सब कुछ छीन लिया। उसके माता-पिता राधा, श्याम, उसके ट्रेनर्स रंजन, सुलेमान, शेरखान, पवन और हरक्युलिस, सर्कस के सारे दोस्त जानवर, सर्कस के मालिक जैकब आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। और राख हो गया सर्कस का एक उभरता करतबबाज। अब वो प्रतिशोध की आग में जलता एक अंगारा बन चुका था जिसका रुख अब गुनहगारों के अड्डे की तरफ था यानी ग्लोब सर्कस। ध्रुव सर्कस की अलग-अलग कलाओं का धनी तो था ही दिमाग का भी धनी था। अपने इसी दिमाग के बल पर उसने हत्यारों को तिगनी का नाच नचा दिया। उसकी जगह कोई और होता तो एक-एक को मौत की सूरत दिखला देता। लेकिन उसने शपथ ली थी कि वो किसी की जान नहीं लेगा। लेकिन नियति बड़ी बलवान होती है। उसने गुनहगारों को नहीं बख्शा। इस जघन्य हादसे के जिम्मेदार ग्लोब सर्कस के मालिक बॉस और जुबिस्को को उनकी करनी का दंड देने के बाद ध्रुव दिशाहीन सा हो गया। उसे अपराध से घृणा हो गयी थी पर भविष्य की कोई योजना उसके मन में नहीं थी। तब ध्रुव को सही दिशा दिखाने सामने आये एस. एस पी. राजन मेहरा। उन्होने ना सिर्फ ध्रुव के अपराध उन्मूलन के अभियान को एक शक्ल दी बल्कि उसे अपना पुत्र बनाकर उसका परिवार भी लौटा दिया, जिसमें शामिल थी ममता की मुर्ति मां रजनी मेहरा और एक चुलबुली, शरारती और नटखट बहन श्वेता। तब ध्रुव ने राजनगर में नींव डाली अपराध के खिलाफ मोर्चा लेने वाली कंमाडो फोर्स की। जिसके कैडेट्स हैं पीटर, करीम, रेणु और जिसका कैप्टन है सुपर कंमाडो ध्रुव। अपराध के विरूद्ध इस अंतहीन सफर मे कई नये आयाम जुड़ते चले गये। चंडिका, नताशा, ब्लैक कैट, धनंजय, सामरी, वनपुत्र जैसे दोस्त मिले तो रोबो, ध्वनिराज, चुंबा, बौना वामन जैसे समाज के दुश्मन भी मिले। लेकिन ध्रुव इन सबसे ना सिर्फ टकरा गया बल्कि उनके लिये खौफ का दूसरा नाम भी बन गया। और ये सब वो कर पाया अपनी ढ़ृढ़ इच्छा शक्ति, बेमिसाल बुद्धि और सर्कस में सीखी अपनी कलाओं के दम पर। आसपास की चीजों को हथियार बना लेना और पशु-पक्षियों से बात कर लेना ये ध्रुव की ऐसी क्षमताऐं हैं जो हारी बाजी भी पलट देती हैं।

PROLOGUE
OUTSKIRTS OF RAJNAGAR, MONTHS AGO
इस बार तू मुझसे नहीं जीत पाएगा। मैं पूरी तैयारी से आया हूं।
अबे जा! (हम्फ) पिछली बार भी (हम्फ) ऐसे ही हांक रहा था तू!
पिछली बार तो टायर की हवा निकलने की वजह से गड़बड़ हो गई थी, यार!
इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा।
हां! इस बार ऐसा कुछ नहीं होगा।
इस बार टायर की जगह तेरी ही हवा निकल...
...जाएगी!

लगता है मौसम खराब हो रहा है। हमें वापस चलना चाहिए!
अबे! मौसम ऐसे बीच हवा में खराब नहीं होता। मुझे तो यह कुछ और ही चक्कर लगता है।

ईयाह!!!
भाग टोनू!
तू नहीं भी बोलता तो भी मैं यही करता।
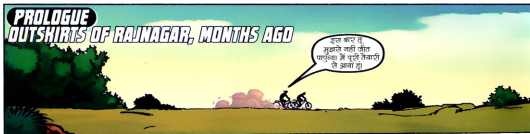
MOMENTS LATER.
हम्म! तो उन बच्चों ने इसे हवा में से बाहर आते देखा था?
...उन्हीं बच्चों से मिली सूचना के बाद हम इस जगह का निरीक्षण करने आए हैं ध्रुव!
घटना स्थल राजनगर के काफी करीब था और तुम इस तरह के प्राणियों का सामना पहले भी कई बार कर चुके हो, तो हमने किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए तुम्हें भी बुलाना बेहतर समझा।
फिलहाल तो मैं यही चाहूंगा कि इससे सामना करने की नौबत ना आए।
तो इस प्राणी का निरीक्षण करने के बाद कुछ पता चला कि यह है क्या या कहां से आया है?
RAJNAGAR SCIENCE & RESEARCH CENTER
इतने कम समय में पक्के तौर से कुछ भी कह पाना मुश्किल है।
लेकिन हमनें इस प्राणी के खून का सैम्पल ले कर उसका निरीक्षण किया है।

इसका डी.एन.ए. स्ट्रक्चर समझ से परे है जो इस बात की पुष्टी करता है कि यह इस धरती का प्राणी नहीं हो सकता!
हम्म! इसका मतलब यह कोई म्यूटेंट प्राणी नहीं है।
यहां मिले एनर्जी सिग्नेचर्स का विश्लेषण करने के बाद तो यही लगता है कि यह प्राणी भविष्य से या किसी दूसरे आयाम से आया है।
इसके खून के निरीक्षण में एक बात और सामने आई है जिसके बारे में अभी निश्चित तौर से कहना मुश्किल है।
लेकिन जो हम सोच रहे हैं यदि वह सही हुआ तो यह प्राणी हमारे लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकता है।
तो फिर ठीक है। इस प्राणी के यहां इस तरह से मिलने की बात को पूरी तरह क्लासिफाइड कर दीजिए!
चुने हुए लैब ऑथोरिटीज और डिपार्टमेंट के कुछ अन्य विश्वसनीय लोगों के अलावा इसके बारे में किसी को पता नहीं होना चाहिए।
यह हमारे लिए कितना फायदेमंद सिद्ध हो सकता है यह तो मैं नहीं जानता। लेकिन इसके यहां होने की बात इसके साथ-साथ हमारे लिए कितनी खतरनाक है हम इसका अंदाजा भी नहीं लगा सकते।

PHOENIX HEADQUARTERS, AMSTERDAM-NOW

अब कैसा महसूस कर रही हो तुम?

कौन सी जगह है यह?

तुम इस वक्त **फीनिक्स** हेड क्वार्टर्स में हो।

घबराओ नहीं यहां तुम्हें किसी प्रकार का खतरा नहीं है। तुम सुरक्षित जगह पर हो।

मुझे यहां पर कौन लाया और किस हालत में लाया?

तुम्हें यहां **कॉमेट** ले कर आया है!

और अगर तुम अपनी **सीक्रेट आइडेंटिटी** को ले कर परेशान हो रही हो तो तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है।

कौन कॉमेट?

तुम्हारा सीक्रेट मेरे और कॉमेट के अलावा कोई नहीं जानता और कोई जानेगा भी नहीं।

लो! यह दवाई ले लो, तुम्हारे घाव को जल्द ठीक करने के लिए यह जरूरी है।
मुझ पर यह मेहरबानी करने की वजह?
मेरी नहीं, कॉमेट की मेहरबानी से तुम यहां हो और आजाद हो।
वरना तुम्हारे दूसरे रूप में तुम्हें भी रिएक्टर पर हमला करने वाले आतंकियों में से एक ना समझने की कोई खास वजह नहीं थी किसी के पास।
तुमने मेरी बात का जवाब नहीं दिया, कॉमेट कौन है?
मैं हूं कॉमेट! मैं ही तुम्हें यहां लेकर आया हूं!
त...तुम...
यह नहीं हो सकता।

NARKA PRISON, RAJNAGAR-INDIA.
अपने-अपने मतलब की चीजें ले कर सभी बाहर निकलो।
सजने-संवरने का मौका बाद में भी मिल जाएगा। ज्यादा देर यहां रुके तो यहीं रह जाओगे।
भागने का विचार अपने दिमाग से निकाल दो।
सभी अपनी-अपनी सैल्स में वापस चले जाओ।
वरना अंजाम बुरा होगा।
तुम लोगों को तो ज्योतिषी होना चाहिए था। भविष्य में झांक कर देख लिया।
वाकई बुरा अंजाम होगा...

...तुम्हारा!
फच्च
फच्च
फचाक
निकलो यहां से, जल्दी! मैं इन्हें संभालता हूं।
क्या हुआ लाखन तू आजाद हो कर खुश नहीं है?
यार जेल में आने में इतना डर नहीं लगता जितना यहां से भागने में लगता है।
भागने के चक्कर में किसी ने एनकाउंटर कर डाला तो?
302

फचाक
आपके सभी साथीगण यहां से पलायन कर चुके हैं गुरुदेव!
आप भी ध्यान से बाहर आ कर पलायन में हिस्सा लें।
लगता है इसे अपनी आजादी पसंद नहीं।

चलो सभी! छोड़ो इन सूअरों को, इन्हें इनका सबक मिल गया है।

आजादी हमारी राह देख रही है। इस मौके को हाथ से मत जाने दो।

ओ भईये! पद यात्रा करके भागने का इरादा है क्या?

पकड़ा जाएगा! बचना चाहता है तो हमारे साथ हो ले।

उसे उसके हाल पर छोड़ दे संग्रामे...

..पागल है साला। होना पागल खाने में चाहिए था, गलती से जेल में आ गया।

PHOENIX HEADQUARTERS, AMSTERDAM.

मैं और कॉमेट फीनिक्स में स्पेशल ऑफिसर्स हैं। लेकिन कॉमेट को यहां काम करते हुए कुछ ही महीने हुए हैं।
कॉमेट हमें एक मिशन के दौरान बुरी तरह घायल अवस्था में मिला था।
"हमने इसकी जान तो बचा ली लेकिन इसे अपने बारे में कुछ भी याद ना था।"
"जब काफी ट्रीटमेंट और थेरेपी के बाद भी हम इसकी याददाश्त वापस लाने में असफल रहे तब हमें मजबूरन सब समय पर छोड़ना पड़ा!"
"ट्रीटमेंट के दौरान अक्सर कॉमेट प्रेक्टिस और अन्य ड्रिल्स में हमारे साथ रहता था।"
"हमारे काम में इसकी रूचि और कुछ भी सीखने की गति आश्चर्य-जनक रूप से अन्य कैडेट्स या एजेंट्स से कहीं ज्यादा थी!"
"कॉमेट की इसी खासियत को देखते हुए हमारे ऑर्गेनाइजेशन के हैड ओमेगा ने कॉमेट को फीनिक्स में स्पेशल एजेंट की पोस्ट पर शामिल कर लिया।"

तुम्हें यहां भी कॉमेट ही लेकर आया है। क्योंकि तुम्हें देख कर कॉमेट को लगा कि शायद वह तुम्हें पहले से जानता है।
कॉमेट को लगता है कि तुम किसी तरह उसके अतीत से जुड़ी हुई हो और उसे उसके अतीत के बारे में कुछ बतला सकती हो।

कॉमेट की सोच काफी हद तक सही साबित हुई क्योंकि तुम्हारे मुताबिक कॉमेट से मिलती शक्ल के किसी शख्स को तुम जानती हो।
अब इस ध्रुव का कॉमेट से कोई लेना देना है या नहीं यह गुत्थी भी तुम ही सुलझा सकती हो!

यह गुत्थी मेरे लिए भी उतनी ही पेचीदा है जितनी तुम लोगों के लिए।
क्योंकि ध्रुव का ना तो कोई जुड़वां भाई है और ना ही मैं यह मान सकती हूं कि यह ध्रुव है और अपनी याददाश्त खो चुका है।

ध्रुव की डी.एन.ए. रिपोर्ट और टूथ प्रिंट्स ने उसकी मौत की पुष्टि कर दी थी।
लेकिन कॉमेट का ध्रुव से कोई लेना देना है या नहीं इस गुत्थी को मैं बाद में सुलझाउंगी!
फिलहाल एक गुत्थी और है जो मेरी समझ में आ चुकी है और उसका पर्दा फाश करना भी मेरे लिए बेहद जरूरी है।

STUDIO, BHARTI NEWS NETWORK, INDIA.
कार्यक्रम शीला का इन्साफ का प्रसारण बीच में ही रोकने के लिए हमें खेद है।
हमारे संवाददाता से प्राप्त सूचना के अनुसार राजनगर स्थित नारका जेल पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने हमला कर वहा कैद सभी कैदियों को छुड़ा लिया है।
यह राजनगर के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा जेल ब्रेकआउट माना जा रहा है!
NEWS
BREAKING NEWS
B NEWS
हमारी टीम घटनास्थल की जीवंत तस्वीरें आप तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है जैसे ही उनसे संपर्क...
BHARTI NEWS EXCLUSIVE
BREAKOUT IN NARKA PRISON
"लगता है... उनसे संपर्क बन गया है!"
BREAKOUT OF NARKA PRISON- RAJNAGAR.
रोहन! हमारे दर्शक जानना चाहेंगे कि नारका जेल की स्थिति क्या है?
स्थिती बयान करने योग्य बिल्कुल नहीं है राधिका!
मुझे इस वक्त अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा है।
नारका जेल का प्रागंण जैसे किसी युद्ध के मैदान में तब्दील हो गया है।
जेल तोड़ कर बाहर निकले कैदी पुलिस के जवानों पर टूट पड़े हैं। उन्हें बुरी तरह पीट रहे हैं।
जाहिर है जेल के सारे कैदियों के इस तरह छूट कर उत्पात मचाने की उम्मीद नारका जेल की सिक्योरिटी ने भी नहीं की होगी, इस अप्रत्याशित हमले से संभल पाना उनके लिए संभव नहीं हुआ।

जैसा कि आप देख पा रहे हैं एक अजीब-ओ-गरीब जल दैत्य अधिकतर पुलिसकर्मियों पर अकेला ही भारी पड़ रहा है!

लगता है इस सारे फसाद की जड़ यही है।

BREAKING NEWS

BHARTI NEWS EXCLUSIVE

BREAKOUT IN NARKA PRISON

यह सब क्यों हो रहा है किसके इशारे पर हो रहा है, तब तक कहना मुश्किल है जब तक इस घटनाक्रम की जिम्मेदारी कोई खुद नहीं ले लेता!

लेकिन इतना तय है कि राजनगर के लिए आने वाले कुछ घंटे बेहद मुश्किल भरे हो सकते हैं।

इस स्थिति पर काबू करके सभी कैदियों को जल्द ही गिरफ्तार ना किया गया, तो यह अपराधी राजनगर में किस तरह की मुसीबत खड़ी कर दें यह केवल आने वाला वक्त ही बताएगा।

कैमेरा मैन अमिताभ के साथ मैं...

आने वाला वक्त अगर किसी के लिए मुसीबत लेकर आएगा तो उन जेल से भागे कैदियों के लिए।
अब उन्हें अहसास होगा की जेल में रहना उनके लिए ज्यादा सुरक्षित है।
"मेरे पास बिलकुल भी समय नहीं है..."
AMSTERDAM.
...इससे पहले कि वे लोग मुझ तक पहुंचें मुझे इस शहर से दूर चले जाना चाहिए।
इस शहर से तो क्या मिस्टर मार्वेक...
..तुम इस कमरे से भी दूर नहीं जा सकते!
क...
क...कौन हो तुम?
तुम्हारे लिए मुसीबत!
न...नहीं मैं तुम्हारे हाथ नहीं आऊंगा...
कड़ाक

क...क्या चाहते हो तुम लोग? मैंने कुछ नहीं किया।
यह तो तुम अच्छी तरह से जानते हो मार्वेक कि अब हम भी यह जान गए हैं कि तुमने बहुत कुछ किया है।
लेकिन मैं वाकई...
अब अगर तुम अपना भविष्य दुःख-दाई नहीं बनाना चाहते तो बिना रुके हम जो जानना चाहते हैं बताना शुरू कर दो।
वर्ना यह लोग तुम्हें फिर भी बख्श दें लेकिन ब्लैक कैट के टॉर्चर से तुम्हें कोई नहीं बचा पाएगा!
ईयाह!!!

सबसे कम दाम में यूरेनियम उन्हें यूरोप से ही मिल रहा था इस-लिए उन्होंने इसका कॉन्ट्रेक्ट यहां के क्राइम बॉस को दिया।
कांट्रेक्ट देने वाले के तार इंडिया में किसी राजनगर नाम की जगह से जुड़े हैं।
मैंने उन्हें कहते हुए सुना था कि अब उनका काम आसान होगा, क्योंकि राजनगर में ध्रुव नाम की मुसीबत नहीं है।

यहां हो रहे घटनाक्रम के तार राजनगर से जुड़े हैं और राज-नगर वालों को इस बात की भनक तक नहीं है।

ना जाने किस घिनौनी साजिश को अंजाम देने के लिए उन्हें यूरेनियम की जरूरत है!

मुझे फौरन इंडिया के लिए रवाना होना होगा!

मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा, रिचा!

लेकिन तुम वहां जाकर क्या करोगे?

नहीं जानता!

लेकिन जब से तुमने ध्रुव के बारे में बताया है तभी से उसके बारे में जानने के लिए उत्सुक हूं मैं।

राजनगर की नारका जेल में ब्रेकआउट के चलते हजारों कैदी फरार!

आपातकालीन कर्फ्यू घोषित!

WHAT? यह हो क्या रहा है?

सारी मुसीबतें एक साथ राजनगर पर ही क्यों आ रही हैं?

RAJNAGAR
BREAKOUT- 11TH HOUR
राजनगर में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।
आप देख ही सकते हैं कि जेल तोड़ कर भागे कैदी किस तरह उत्पात मचाते हुए सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुक्सान पहुंचा रहे हैं।
पुलिस प्रशासन इन कैदियों को रोकने में पूरी तरह नाकामयाब रहा है जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।
बिलकुल यही हाल राजनगर के अन्य इलाकों का भी है।
जो जहां पर जिस भी स्थिती में था वहीं पर फंसा हुआ है।
कमांडर आर्मी जो कि इस शहर की निजी पुलिस होने का दावा करती है अभी तक इस घटना से दूर ही है।
राजनगर की रक्षा के लिए उसका रक्षक सुपर कमांडो ध्रुव भी आज यहां मौजूद नहीं है।
DILWALA DULHAN VAPIS DE JAYEGA
ऐसे में इन खूंखार अपराधियों से राजनगर को कौन बचाएगा यह एक बड़ा प्रश्न है।
उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि...

...तुझे इस वक्त जैंगो से कौन बचाएगा?
महीनों हो गए किसी के शरीर की हड्डियों के टूटने की मधुर आवाज सुने हुए।
तेरी सुराहीदार गर्दन के साथ तेरे शरीर की एक-एक हड्डी को बेहद प्यार से तोडूंगा मैं।
शायद तूने आज का अखबार नहीं पढ़ा, जैंगो।
तड़ाक
...तेरी राशि में आज हड्डियां तोड़ने के नहीं, तुड़वाने के योग हैं।
अपनी नौकरी के साथ अपनी जान से हाथ नहीं धोना चाहती तो जाओ घर जा कर आराम करो!
हड्डियां टूटने का शोर यहां पर जरूर होगा।

अब हड्डियां उस रिपोर्टर की हों या तेरी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।
हियाह!!!
धड़ाक्क
हाह!!
ओफ्फ!

धड़ाक
सैंडी... सैंडी कहां गया? डरपोक, कैमेरा छोड़ कर भाग गया।
अब कैमेरा मैन की भूमिका भी मुझे ही अदा करनी होगी।
इस एक्स-क्लूसिव फुटेज और हाथ आए प्रमोशन के मौके को ऐसे हाथ से कैसे जाने दूं!
ओफ्फ!
याााार्रर्रघ!!!

हियाह!!

OH CRAP!

ओह नहीं!

तुम...
बात करने का समय नहीं है!
उठो! इस गैंडे से मैं अकेले नहीं लड़ पाउंगी मुझे तुम्हारी जरूरत पड़ेगी!
हम दोनों को एक दूसरे की जरूरत पड़ेगी!
भाड़ में गया प्रमोशन! मैं यह रिपोर्टर की जॉब ही छोड़ दूंगी!
आज महिला दिवस है या राजनगर के मर्दों ने चूड़ियां पहन ली हैं!
जहां देखो वहां महिलाएं ही महिलाएं नजर आ रही हैं!
अच्छा है! जनाना चीख-ओ-पुकार सुनने में मुझे ज्यादा मजा आता है।

सही कहा!
और तू जरा अपनी आंखों का चेकअप करवा मुटल्ले!

तुझे अच्छी-खासी लड़कियां महिलाएं नजर आ रही हैं?

हम चीखने में नहीं, चीखें निकलवाने में विश्वास रखती हैं।

यह एक्स्ट्रा किक हमें महिलाएं कहने के लिए।

बस! बहुत खेल लिया। अब तुम लोगों को पता चलेगा जैंगो से उलझने का अंजाम क्या होता है।

इस गैंडे से निपटने का एक तरीका समझ में आ रहा है।

लेकिन उसके लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है!

याााा!!!

भड़ाक
कट्र्र्र्र
पूरा जोर लगा कर खींचो! खींचो!
कड़ाक
कड़ाक

चलो! मुसीबत खत्म! तुम ना आतीं तो पता नहीं कब तक यह इसी तरह उत्पात मचाता रहता।
मुसीबत खत्म नहीं हुई नताशा...
...बल्कि मुसीबत बढ़ गई है।
"इन कैदियों को नारका जेल से छुड़वाने से हमारा काम कैसे आसान हो जाएगा यह बात मेरी समझ में अभी तक नहीं आई है।"
ELSEWHERE IN RAJNAGAR.
सब समझ में आ जाएगा सुप्रीमो! जब इतने दिन इंतजार किया कुछ घंटे और सही।
लेकिन तुम मुझे सब कुछ बता क्यों नहीं देते?
क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरे प्लान की भनक किसी को भी लगे!
तुम्हें भले ही अपने आदमियों पर भरोसा होगा सुप्रीमो लेकिन मेरे काम का एक ही उसूल है!
DON'T TRUST ANYONE! NOT EVEN YOURSELF!
"क्या हम इस पर भरोसा कर सकते हैं?"

AEROSPACE DIVISION, PHOENIX.
भरोसा ना करने की कोई वजह कम से कम मेरे पास तो नहीं है।
फायर बर्ड आवाज की गति से उड़ सकता है।
यह सिर्फ लंबी दूरी तय करने के काम आता है इसलिए इसका प्रयोग कम ही होता है। तो फिलहाल हमें इसे ले जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।
यह हमें साधारण हवाई यात्रा से बहुत जल्दी राजनगर पहुंचा देगा, वह भी नॉन स्टॉप!
तो फिर ठीक है। हमें जितनी जल्दी हो सके यहां से निकल जाना चाहिए।
एक मिनट!
हमें से तुम्हारा क्या मतलब मिशा? तुम हमारे साथ नहीं चल रही हो!
बिलकुल! मैं भी तुम्हारे साथ चल रही हू।
मैंने चीफ से परमिशन भी ले ली है।
लेकिन...
इस बार मैं तुम्हारी कोई बात नहीं सुनूगी! मैं चल रही हू तो चल रही हू!
बिल्कुल वही चेहरा, बिलकुल वही कद काठी, वही आवाज!
दिल कहता है कि यही ध्रुव है लेकिन दिमाग इसे ध्रुव मानने को राजी नहीं है।
क्योंकि आंखों ने जो देखा था उसे झुठलाया नहीं जा सकता।
ध्रुव की लाश अपनी आंखों से देखी थी मैंने!
लेकिन वही आंखें इस वक्त जो देख रही हैं उसे सच मानने से इनकार कर रही हैं!

दिल कहता है कि अभी झपट कर इसे अपने गले से लगा लूं!
लेकिन दिमाग कहता है कि यह वह नहीं है जिसके करीब होने के विचार तक से उत्साहित हो जाती थी मैं।
कितनी बेबस हू मैं। नहीं समझ पा रही कि जो दिल कह रहा है उसे सही मानूं या उसे जो दिमाग कहता है।
हैलो! कहां खो गईं?
तुम ठीक हो?
अं...हं...हां! कहीं नहीं!
हमें चलना चाहिए...
"कहीं हमें पहुंचने में देर ना हो जाए!"
और कितनी देर हम इन्हें रोक सकेंगे?
पिछले घंटे भर से हम लगातार लड़े ही जा रहे हैं।
पता नहीं! लेकिन जब तक हड्डियां सही सलामत हैं कुछ घंटे तो रोक ही सकते हैं।
RAJNAGAR
BREAKOUT - 17TH HOUR

हमें और मदद की जरूरत है।
लेकिन मुझे नहीं लगता पांच मिनट से ज्यादा हम इन्हें संभाल पाएंगे।
एक तो यह तादाद में इतने ज्यादा हैं और दूसरा लगातार लड़ते हुए मेरी ताकत जवाब देती जा रही है।
लेकिन और मदद आएगी कहां से?
सारी कमांडर फोर्स तो अलग-अलग जगहों पर स्थिति काबू करने में जुटी है।
कमांडो फोर्स कहां है?
अभी तक तो उन्हें एक्शन में आ जाना चाहिए था।
कमांडो फोर्स इतिहास बन चुकी है। हमें एक दूसरे की मदद के सहारे ही यह जंग जीतनी होगी।
क्या मतलब इतिहास बन चुकी है?
लंबी कहानी है आराम से... ओफ्फ!
थैंक्स पार्टनर!
मेंशन नॉट पार्टनर!

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।
अब तुम दोनों की कमनीय कायाओं का बोझ भी इस धरती से घट जाएगा।
फिकर नॉट! सबको मिलेगा मौका, सब लगाएंगे चौका।
पहली मदद मैं करूंगा!
आओ! हम मिलकर इनकी मदद करें।
इन्हें मदद की जरूरत थी।
शक्क
शक्क
शक्क
अरे इन्हें क्या हुआ?
उत्पात मचाते हुए काफी थक गए थे। आराम कर रहे हैं।

तुम लोग अपने साथियों का साथ नहीं देना चाहोगे?
कमांडो फोर्स!
WOW! कमांडो फोर्स! नए अवतार में!
इन्हें देख कर मुझे भी लग रहा है कि मुझे अपनी कॉस्टयूम बदल लेनी चाहिए।
लकिन अभी इन मरदूदों का हुलिया बदलने का वक्त है।

कोई प्रोग्रेस?
जी नहीं सर।
आपके आदेशा-नुसार दिन में तीन बार इस पर यह ट्रीटमेंट दोहराया जा रहा है।
कोई और इंसान होता तो अभी तक टूट चुका होता, लेकिन पता नहीं यह किस मिट्टी का बना है?
इस पर किसी ट्रीटमेंट का कोई असर नजर नहीं आता।
इसे आम इंसान समझने की भूल मत करो प्रोफेसर!
इसे टॉर्चर करने में तो शायद नरक के शैतान तक नाकाम हो जाएं।
लेकिन तुम अपना काम जारी रखो! ट्रीटमेंट का लेवल जितना बढ़ाना हो बढ़ा लो।
आज नहीं तो कल इसे टूटना ही होगा।
ठीक है मास्टर! अगले सेशन में लेवल एक स्टार और बढ़ा दिया जाएगा।

ईयााााााााड

मेरे तीन कहते ही ट्रीटमेंट फिर से शुरू करेंगे!
इस बार पॉवर दोगुनी होगी।
एक! दो!
...तीन!
खटट
अरे! मशीन काम क्यों नहीं कर रही?
पॉवर सप्लाई चैक करो कहीं कोई गड़बड़ तो नहीं है?
नहीं सर! इस पूरे कमरे और इस मशीन का पॉवर सोर्स एक ही है।
कहीं मशीन में ही तो कुछ...
चैक करना होगा।

धड़ाक
कड़ाक
पकड़ लो इसे!

किर्र्र्र्नं
ताड़
धाड़
धाड़
धप
धांय
आह!!!
आह!!!

क्या हुआ कॉमेट? तुम चीखे क्यों?

सपना?

फिर वही सपना?

पिछले कुछ समय से मुझे एक ही सपना बार-बार दिखाई देता है।

मुझे दिखाई देता है कि मुझे कहीं बंदी बना कर प्रताड़ित किया जा रहा है।

मैं वहां से भागने की कोशिश करता हूं लेकिन सफल नहीं हो पाता।

मुझे किसने बंदी बनाया है, क्यों बनाया है कुछ साफ दिखाई नहीं देता।

याद है तो बस वही टॉर्चर और वहां से भागने की जद-ओ-जहद। उससे पहले का या उसके बाद का कुछ याद नहीं आता।

नहीं जानता कि यह केवल सपना है या मेरे जीवन से जुड़ी कोई वास्तविक घटना!

क्या मतलब है इस सपने का, क्यों बार-बार दिखाई देता है?

और इन सवालों के जवाब मुझे तब तक नहीं मिलेंगे जब तक मैं अपनी पिछली जिंदगी के बारे में नहीं जान जाता।

तुम्हें तुम्हारे सवालों के जवाब पाने के लिए और परेशान नहीं होना पड़ेगा कॉमेट!

क्योंकि अगर हमारा सोचना सही है...

"...तो जहां हम जा रहे हैं वहां तुम्हें उन सारे सवालों के जवाब मिल जाएंगे।"
यह गया आखिरी नमूना और इसी के साथ यह राउंड होता है चंडिका, नताशा और नए अवतार में कमांडो फोर्स के नाम।
BREAKOUT IN RAJNAGAR.
19TH HOUR.
मुझे याद नहीं आ रहा कि पिछली बार कब हम सभी ने एक टीम की तरह काम किया था!
मदद के लिए शुक्रिया।
अब तुम लोगों के लिए भी यही बेहतर होगा कि तुम लोग सरेंडर कर दो।
सरेंडर?
एक मिनट!
आखिर यह सब हो क्या रहा है?
इतनी बड़ी घटना घट गई लेकिन पहले कमांडो फोर्स कहीं नजर नहीं आई।
तुम लोग कमांडो फोर्स की कॉस्ट्यूम में नहीं हो...

...अब नताशा तुम लोगों को सरेंडर करने को कह रही है।

यह वही राजनगर है या मैं किसी दूसरे आयाम में आ गई हूं?

तुम किसी दूसरे आयाम में नहीं हो चंडिका।

लेकिन अब यह वह राजनगर नहीं रहा जिसे तुम जानती थी।

तुम लोग पहेलियां बुझाना बंद करके साफ-साफ बताओगे कि आखिर तुम लोग सरेंडर क्यों करोगे?

क्योंकि यह लोग कानून की नजरों में वांटेड मुजरिम हैं?

वांटेड मुजरिम!

लेकिन क्यों? कैसे?
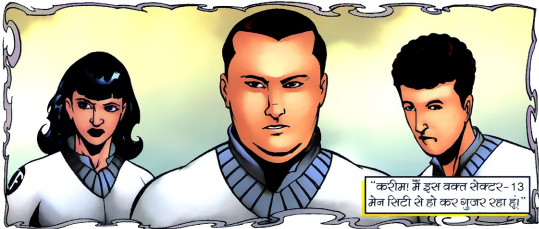
SECTOR-13, MAIN CITY, RAJNAGAR.
Months Ago.
...रोबो एक नीली वैन में शहर से बाहर निकलने की फिराक में है।
पापा से कहो कि इस रूट के शहर से बाहर जाने वाले हर रास्ते पर नाकाबंदी करवा दें।
मुझे बैकअप की जरूरत पड़ सकती है। पीटर और रेनू को जितनी जल्दी हो सके मुझे कैच करने को कहो।
ठीक है कैप्टेन! वे लोग अगले पन्द्रह मिनट में तुम्हें कैच करेंगे।
इतनी हड़बड़ी में कहां जा रहे हो तुम लोग?
सॉरी नताशा! बात करने का समय नहीं है।
ठीक है! ध्रुव अंदर है या नहीं?
कैप्टेन रोबो के पीछे है, हम भी वहीं जा रहे हैं।
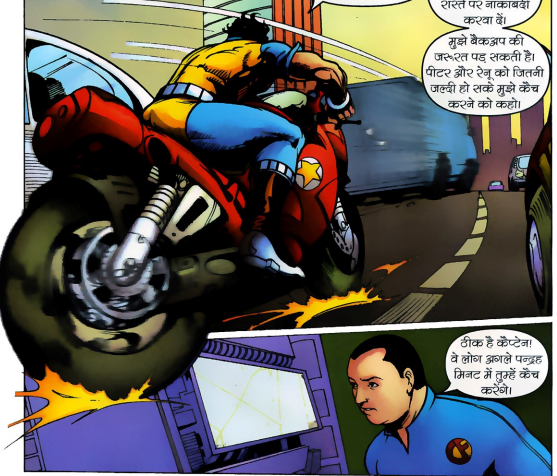
तो ध्रुव ने डैड को ढूंढ ही लिया।

जब वह मुझसे डैड के बारे में पूछने आया था तभी बहुत गुस्से में था।

मैंने ध्रुव को इतने गुस्से में कभी नहीं देखा, ऐसे में वह ना जाने क्या कर गुजरे।

मुझे इन लोगों से पहले ध्रुव और डैड तक पहुंचना होगा।

लेकिन यह लोग भी ध्रुव तक ना पहुंच सकें इसका भी इंतजाम करना होगा मुझे।

मैं यहा बीच शहर में फंसा हूं अल्बर्ट! कहा हो तुम, जब यह यमदूत मेरी आत्मा यमराज के पास पहुंचा देगा उसके बाद मेरी लाश उठाने आओगे?

सॉरी मास्टर! लेकिन आसमान छूती इमारतों के बीच कॉप्टर ला पाना असंभव है।

जैसे ही आप आबादी से थोड़ी भी खुली जगह में पहुंचेंगे मैं आपको पिक कर लूंगा!

जितना भाग सकते हो भाग लो, रोबो!

इस बार यह तुम्हारी आखिरी दौड़ साबित होगी, इसके बाद तुम्हें कभी भी किसी से भी भागना नहीं पड़ेगा!

मेरे विचार भी कुछ यही हैं ध्रुव!

इसके बाद मुझे भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी...

...कम से कम तुमसे तो बिलकुल भी नहीं।
धड़ाक
गाह! कौन सी किस्मत लेकर पैदा हुआ है यह? निश्चित मौत से भी हर बार बच जाता है।

डैड! डैड! रुकिए!
नताशा! तुम यहां क्या कर रही हो?
रुक जाइए डैड! इस तरह भागना बंद कीजिए!
सरेंडर कर दीजिए! यह रास्ता आपको आजादी की ओर नहीं ले जाएगा!
मुझे लेक्चर देना बंद करो और यहां से चली जाओ नताशा!

बात को समझने की कोशिश कीजिए डैड! आप सिचुएशन को और क्रिटिकल बना रहे हैं।
आप लोगों के इस टकराव का नतीजा कुछ भी हो उसके अंजाम को भुगतना मुझे ही पड़ेगा!
तुम इस सब से दूर रहो। चली जाओ यहां...
ओह नो।
ओ माय गॉड!

ओफ्फ!
ध.. ध्रुव.. मैं...
आज तुम कुछ नहीं बोलोगे रोबो! बल्कि...

...आज के बाद तुम कुछ नहीं बोलोगे।

रुक... रुक जाओ ध्रुव.. मेरी बात सुनो!

मेरे कान उस मासूम की आवाज सुनने को तरस रहे हैं रोबो, जो तुम्हारी ही वजह से जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है।

बोलो! सुनवा सकते हो अक्षिता की आवाज?

ला सकते हो उसे कोमा से बाहर?

बोलो रोबो...

बोलो!

रुक जाओ ध्रुव! बहुत हुआ! संभालो अपने आप को!

मैं किसी को बचाने की कोशिश नहीं कर रही हूं ध्रुव!

मैंने तुमसे पहले ही कहा था, नताशा! इस बार तुम भी रोबो को मेरे हाथों से बचा नहीं सकोगी।

लेकिन तुम इस वक्त होश में नहीं हो! ठन्डे दिमाग से काम लो, दूसरों को कानून हाथ में लेने से रोकने वाले तुम खुद आज कानून हाथ में ले रहे हो।

मैं होश में ही हूं नताशा, जो होश में नहीं है मैं उसे ही होश में लाने की कोशिश कर रहा हूं!

रोबो को उसके किए की सजा मैं खुद दूंगा।

तुम्हें इस मामले से दूर ही रहना होगा नताशा।

ओफ्फ!

SORRY DHRUVA! लेकिन तुम्हें रोकने का कोई और रास्ता नहीं है मेरे पास!

हम्फ!!!

धाड़

मैं जानता था मुझे इस स्थिति का सामना करना पड़ेगा!

ताड़

लेकिन तुम भी आज मुझे नहीं रोक पाओगी।

मैं भी ठान कर ही आई हूं ध्रुव।

तुम्हें या डैड, दोनों में से किसी को भी कोई नुक्सान नहीं पहुंचने दूंगी...

सॉरी! लेकिन तुम **दोनों** की **सेफ्टी** के लिए यह जरूरी है।

ओफ्फ! यह क्या कर रहे हो तुम... छोड़ो मुझे, छोड़ो।
तुम्हें रोकने का कोई और रास्ता नहीं हैं मेरे पास!
ध्रुव! रुक जाओ ध्रुव खोलो मुझे.. ध्रुव!
सॉरी नताशा! लेकिन यह तुम्हारी सेफ्टी के लिए जरूरी है!
बस रोबो अब और संघर्ष नहीं करना होगा तुम्हें! तुम्हारा हर संघर्ष तुम्हारे साथ ही खत्म हो जाएगा।
मुझे.. ऐसा.. नहीं लगता!
हे भगवान!

सही समय पर भगवान को याद किया तूने। अंतिम समय पर भगवान को याद करो तो मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शुरू हो गई तेरी उछल-कूद! कर ले जितनी करनी है।
यह मेरा भ्रम है या रोबो का शरीर सामान्य से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है!
नहीं! यह भ्रम नहीं है! रोबो वाकई विकराल रोबो में बदल गया है। लेकिन कैसे?
अपने शरीर को बढ़ाने जैसी कोई शक्ति रोबो में नहीं थी!
तो क्या यह किसी ड्रग का नतीजा है?
संभव है!
यह तेरी जिंदगी की आखिरी उछल-कूद साबित होगी!
शरीर बढ़ने के साथ ही इसकी शारीरिक शक्ति भी आश्चर्य जनक रूप से बढ़ गई है।
याााार्र्घ!!!
लेजर आई से लैस रोबो से पार पाना वैसे ही मुश्किल है और अब इस अमानवीय शक्ति के साथ रोबो लगभग अजेय हो गया है।
हाथ पैरों की लड़ाई में शायद ही मैं रोबो को मात दे पाऊं।
लेकिन जहां शरीर साथ ना दे वहां दिमाग का प्रयोग करना ही सार्थक होता है।

मुझे रोबो के वारों से बचते हुए रोबो को उस जगह वार करने पर मजबूर करना है जहां से रोबो की क्षतिग्रस्त वेन से पेट्रोल बह कर जा रहा है!

ताकत के नशे में चूर रोबो का ध्यान इस ओर जाएगा मुझे इस बात में संदेह है!

भड़क

धड़ड़ाम

डैड!

डैड!

कुछ भी कर ले कमांडो! कोई भी तरीका आजमा ले, लेकिन आज की डेट में तेरा मरना तय है।
मुझे यकीन था कि ब्लास्ट रोबो के लिए जानलेवा साबित नहीं होगा।
लेकिन इतने भीषण ब्लास्ट ने भी रोबो के शरीर पर खरोंचे डालने और इसके गुस्से को भड़काने के अलावा कुछ नहीं किया।
मैंने खुद ही जलते अंगारे पर पेट्रोल छिड़कने की मूर्खता कर दी है।
यह डैड को हो क्या गया है?
उनका शरीर एकाएक इतना विशालकाय कैसे हो गया?
वजह जो भी हो स्थिति अभी भी वही बनी हुई है!
पहले ध्रुव डैड पर हावी हो रहा था अब डैड ध्रुव पर हावी हो रहे हैं!
और मुझे नहीं लगता ध्रुव इस हालत में ज्यादा देर डैड के सामने टिक पाएगा!
मुझे कुछ करना होगा! लेकिन उससे पहले अपने हाथों को आजाद कराना होगा!
और मेरी पतली कलाईयों को इन कफ्स से आजाद होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा!

इस पर मेरे वारों का कोई असर नहीं हो रहा है। उसपर लगातार लड़ते हुए मेरी ताकत जवाब देने लगी है!
इससे निपटना अब मुश्किल दिखाई दे रहा है...
लेकिन हिम्मत हारना कोई विकल्प नहीं है।
शरीर में मौजूद शक्ति के आखिरी कतरे के खत्म होने तक मुकाबला करना होगा।
तूने मेरा काम खुद ही आसान कर दिया लड़के! तू खुद ही मेरे पास आ गया!
अब कैसे बचेगा मेरी लेजर आई का निशाना बनने से?
जैसी तेरी इच्छा!
तो किसका इंतजार है रोबो? अगर यह इसी तरह खत्म होना है तो ऐसे ही सही! आज या तुम नहीं या मैं नहीं!
हुंह!

कड़ाक

आह!!!

बस बहुत हुआ!

तेरा वह हाल करूंगा मैं कि तेरे घर वाले तेरे शरीर के टुकड़े भी नहीं ढूंढ पाएंगे!

धड़ाक

हे भगवान! इसे तो काफी चोट आई है। इसे तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाना होगा!
तुम्हें कुछ नहीं होगा बच्चे, कुछ नहीं होगा।
गड़गड़गड़गड़गड़गड़
बस! बिलकुल सही स्थिति में हैं दोनों।
कॉप्टर का गेट खोलो!
हुंह?

गड़गड़गड़गड़
अलबर्ट!
बूम
NO!

डैड! ध्रुव!
हट जाओ
वहां...

क्यों नहीं मानी तुमने मेरी बात? क्यों नहीं मानी!(सुबक)

मैं जानती थी! जिस गुस्से में इस बार मैंने तुम्हें देखा.. इस लड़ाई का अंत इसी तरह होना था!

मेरे पास... कोई रास्ता... नहीं... था नताशा!

अ...अक्षिता के गुनहगार को... सजा तो...मिलनी ही थी।

श!!! कुछ नहीं बोलोगे तुम! मैं अभी एम्ब्यूलेंस...

ध्रुव!
धड़ाम
आह!!!
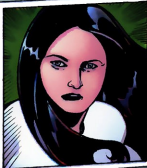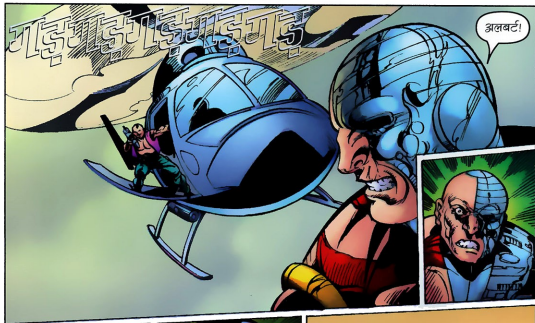
DHRUVA NO MORE
बेहद दुःख के साथ हमें अपने दर्शकों को बताना पड़ रहा है कि राजनगर के रक्षक और सभी के चहेते सुपर कमांडो ध्रुव की एक मोस्ट वांटेड अपराधी ग्रैंडमास्टर रोबो से मुठभेड़ के दौरान मृत्यु हो गई!
यह राजनगर वासियों और सुपर कमांडो ध्रुव के चाहने वालों के लिए बेहद दुःख भरी खबर है। इस खबर पर एक बार में विश्वास करना शायद ही किसी के लिए संभव हो।

यह हादसा शहर से दूर राजनगर-महानगर हाइवे पर तब हुआ जब ध्रुव ग्रैंडमास्टर रोबो को पकड़ने की कोशिश कर रहा था।
हादसे में रोबो के भी मारे जाने की खबर है।

अपने क्राइम फाइटिंग करियर में ध्रुव ने अनगिनत बार राजनगर को मुश्किलों और खतरों से बचाया है!
शायद आज भी वह राजनगर को रोबो की किसी कुत्सित योजना से बचाने का प्रयास करते हुए ही मारा गया।
यह राजनगर और राजनगर वासियों का बहुत बड़ा नुक्सान है जिसकी भरपाई शायद ही हो सकती है!

ध्रुव की अंतिम यात्रा कल सुबह दस बजे मेहरा निवास से निकलेगी।
ध्रुव के लिए अपने आखिरी सन्देश भेजने के लिए हमें एस.एम.एस. करें...

MEMORIAL HOSPITAL, RAJANGAR
18 Hours Later.

ध्रुव!

ध्रुव!

यह आप क्या कर रही हैं मैडम?

शांत हो जाइए। आपको आराम की सख्त जरूरत है।

ध्रुव...ध्रुव कहां हैं...मेरे डैड! कहा हैं दोनों?

आई एम रियली सॉरी मिस नताशा लेकिन...

ध्रुव और आपके डैड अब इस दुनिया में नहीं हैं।

नहीं!
ऐसा नहीं हो सकता... यह सच नहीं हो सकता! यह सच नहीं हो सकता।

धमाके का असर काफी जबरदस्त था, दोनों के शरीर से काफी खून बह चुका था! उन्हें बचाना असंभव था।
नहीं! झूठ है यह! झूठ बोल रही हो तुम!

इस बुरे वक्त में आपको हिम्मत से काम लेना चाहिए मिस नताशा।
आपके पिता और करीबी दोस्त ध्रुव की मौत का मुझे बेहद अफसोस है।

लेकिन मैं यहां आपसे हमदर्दी जताने नहीं आया।
मैं यहा आपको धन्यवाद कहने के लिए आया हू।
कौन हैं आप और कैसा धन्यवाद?

घटना स्थल पर एक कार एक्सीडेंट भी हुआ था जिसमें...
एक्सीडेंट... हां वह बच्ची, वह बच्ची कैसी है अब, वह ठीक तो है?
वह बच्ची मेरी बेटी है, मिस नताशा! अब वह बिलकुल ठीक है।
लेकिन शायद वह आज इस दुनिया में नहीं होती अगर आपने ठीक समय पर उसे कार से निकाल ना लिया होता।
एक पिता होने के नाते मैं आपका तह-ए-दिल से शुक्रगुजार हूं।
इसके अलावा इस शहर का मेयर होने के नाते भी मैं एक खास वजह से आपसे मिलने आया हूं मिस नताशा।
लेकिन शायद अभी आप उस वजह को जानने की स्थिति में नहीं हैं।
और वह वजह कुछ समय और इंतजार कर सकती है।
तो, अपना खयाल रखिए मिस नताशा!
GET WELL SOON!
जब आप हॉस्पिटल से बाहर आएंगी तब एक बड़ी जिम्मेदारी आपका इन्तजार कर रही होगी।

RAJNAGAR-NOW.
क्या थी वह जिम्मेदारी?
कमांडो फोर्स के प्रतिबंधित होने के बाद एक नई फोर्स का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी।
WHAT?
कमांडो फोर्स पर प्रतिबंध, लेकिन क्यों?
अक्षिता के माता-पिता ने कमांडो फोर्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया था!
कमांडो फोर्स की पंद्रह वर्षीय कैडेट अक्षिता के घायल होने और कोमा में जाने के बाद से ही कमांडो फोर्स में नाबालिग कैडेट्स की भर्ती और कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगने लगे थे।
डैड से मुठभेड़ के दौरान दुर्घटना में मेयर की बच्ची के घायल होने और ध्रुव की मौत ने आग में पेट्रोल छिड़कने का काम किया।
ध्रुव की मौत ने कमांडो फोर्स का संरक्षक छीन लिया था।
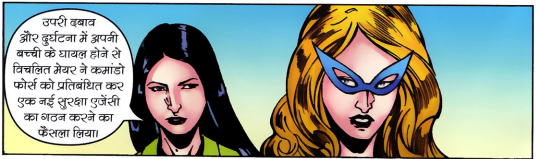
लेकिन फिर मैंने यह सोच कर मेयर की बात मान ली कि शायद किस्मत ने मुझे ध्रुव के काम को आगे बढ़ाने का मौका दिया है।
एजेंसी का नाम रखा गया कमांडर फोर्स।
तुम्हारा क्रिमिनल रिकॉर्ड इस काम में तुम्हारे आड़े नहीं आया?
पिछले कुछ सालों में लड़कियों को सेल्फ डिफेन्स सिखाने के लिए कराटे और मार्शल आर्ट अकेडेमी खोलना मेरे सोशल वर्क में गिना गया।
मेरा मेयर की बच्ची की जान बचाना भी मेयर द्वारा मुझे चुनने का एक बड़ा कारण था।
कमांडो फोर्स के सभी कैडेट्स से उनके अधिकार छीन कर आगे किसी भी तरह की क्राइम फाइटिंग में उनके शामिल होने पर रोक लगा दी गई।

मेयर के सख्त आदेश थे कि किसी भी तरह के विरोध को शहर की कानून व्यवस्था का अपमान मानते हुए ऐसा करने वाले को फौरन गिरफ्तार किया जाए।

इसके बावजूद यह तीनों अपनी जिद पर अड़े रहे।

मेयर के आदेश की अवहेलना करने की वजह से इन्हें अपराधी घोषित करके देखते ही गिरफ्तार करने के आदेश जारी कर दिए गए।

हम्म! दिलचस्प कहानी है लेकिन मुझे लगता है कि मेयर का कमांडो फोर्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कुछ ठीक नहीं था।

कमांडो फोर्स को प्रतिबंधित किए बिना नए मैनेजमेंट के तहत भी जारी रखा जा सकता था, बेशक नाम कुछ और रख देते।

उस स्थित में कमांडो फोर्स के बाकि कैडेट्स भी अपना काम जारी रख सकते थे और भागने, छिपने की नौबत भी नहीं आती।

पता नहीं क्यों, लेकिन यह नई फोर्स फॉर्म करने का रीजन मुझे कुछ हजम नहीं हो रहा!

कहीं कोई गड़बड़ जरूर है।

खैर इस बारे में बाद में सोचेंगे। अभी शहर में खुले घूम रहे अपराधियों को पकड़ कर वापस जेल में डालना ज्यादा जरूरी है।

बिल्कुल! अपराधियों को इस तरह आजाद घूमने नहीं दे सकते...

और यह तीनों भी घोषित अपराधी हैं।
पीटर, रेणु और करीम! यू आर अंडर अरेस्ट!
NATIONAL ZOOLOGICAL PARK-RAJNAGAR.
उद्यान
भागो!!!
बचाओ!!
ZOO
अरे कहां भागे जा रहे हैं यह लोग? मैं तो मनोरंजन के लिए यहां आया था।
यह सारे तो भाग गए, अब मेरा मनोरंजन कैसे होगा?
लोगों का मनोरंजन करना ही तो रिंग मास्टर का काम है।
और मनोरंजन के लिए रिंग मास्टर कुछ भी कर सकता है।

आह!!!
बचाओ!

एक गुर्राहट और वह बाघ जैसे पालतू कुत्ता बन गया।

ऐसा...ऐसा तो राजनगर में सिर्फ एक ही इंसान कर सकता था।

सुपर कमांडो ध्रुव!

NEXT-MAXIMUM SECURITY.